कक्षा – छठी

कहानी

एकता में बल है

एक बार की बात है किसी गांव में एक बूढ़ा किसान रहता था। उसके चार बेटे थे। वे चारों बहुत ही आलसी थे, तथा हर समय आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे । किसान इस बात को लेकर बहुत परेशान था । किसान ने उन्हें समझाने की बहुत कोशिश की परंतु सब बेकार। फिर एक दिन किसान बीमार हो गया उसने अपने चारों बेटों को अपने पास बुलाया । उसने अपने बेटों को लकड़ियों का एक गट्ठा लाने को कहा । वे लकड़ियों का गट्ठा ले आए । किसान ने हर एक लड़के को वह लकड़ियों का गट्ठा तोड़ने के लिए दिया लेकिन कोई भी उसे तोड़ ना सका । फिर किसान ने वह गट्ठा खोलकर एक-एक लकड़ी सभी को तोड़ने को दी तो सभी ने उसे बहुत ही आसानी से तोड़ दिया । तब किसान ने उन्हें समझाया कि अगर तुम भी इन लकड़ियों की तरह इकट्ठे रहोगे तो कोई भी तुम्हारा कुछ भी बिगाड़ नहीं सकेगा परंतु अगर तुम अकेले-अकेले रहोगे तो इन लकड़ियों की तरह तुम्हें कोई भी बड़ी आसानी से नष्ट

कर देगा । अतः तुम सबको मिलजुल कर रहना चाहिए। लड़ना-झगड़ना नहीं चाहिए । यह सुनकर वे सब मिलजुल कर रहने लगे ।

शिक्षा :- एकता में बल है ।

तैयारकर्ता :- कुमकुम

हिंदी अध्यापिका

सरकारी हाई स्मार्ट स्कूल,
शाहपुर रोड, लुधियाना